647510 **BRSHinFC101B** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 1 (*CBCS*) Examination
Nov./Dec. -2018(New Course)
HINDI(FOUNDATION-2)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न १ कहानी कला के तत्वो के आधार पर 'दु:खवा में कासे कहुँ मोरी सजनी' कहानी का मूल्यांकन कीजिए। (१५)

अथवा

प्रश्न १ 'दु:खवा में कासे कहुँ मोरी सजनी' का कथानक अपने शब्दो में लिखिए।

प्रश्न २ निम्निलिखित प्रश्नो के उत्तर सूचनासुर दीजिए। (१५)

(अ) निम्नांकित में से हिन्दी पाँच कहावतो के अर्थ दीजिए। (०५)

(१) चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात
(२) दुधारु गाय की लात भली
(३) जहाँ चाह वहाँ राह
(४) काला अक्षर भैसं बराबर
(५) आग लगाने पर कुआँ खोदना
(६) इधर कुआ उधर खाई
(७) हाथी के दाँत खाने के और दिखाने के और

(ब) अपने छोटे भैया को १२वी कक्षा में पढाई का महत्व एवं मार्गदर्शन देता हुआ पत्र लिखिए। (१०)

अथवा

निम्नांकित परिच्छेदका संक्षेपण कीजिए (१०)

"राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूँगा है। आज यही कलंकमयी स्थिति हमारे राष्ट्र की है। आज हिन्दी दुर्गति को प्राप्त हो रही है और विदेशी भाषा अंग्रेजी का वर्चस्व बढता जा रहा है। किसी देश की भाषा के कतिपय गुण ही उसे देश की राष्ट्रभाषा का सच दे सकते हैं। राष्ट्र को एक सुत्र में बाँधने वाली भाषा ही राष्ट्रभाषा है।

राष्ट्र भाषा बनने की पात्रताआखिर जिस भाषा में है। यदि समस्त प्रादेशिक भाषा में काम-काज प्रारंभ किया जाये तो प्रशासन कार्य ढिक ढंग से नही चले सकता। अंग्रेजी एक विदेशी भाषा है, स्वतंत्रता के बाद भी उन पर निर्भर रहना हमारी मानसिक दासताकाही प्रदर्शन करता है। इसलिए राष्ट्र के हित में हमे किसी एक भाषाको निष्पक्ष रूप से परीक्षा की कसोटी पर बराबर देखना चाहिए, जो भाषा इस कसौटी पर खरी उतरे उसी को सर्वसम्मति से राष्ट्र भाषा स्वीकार कर लेता चाहिए। क्योकि राष्ट्र भाषा के अभाव में राष्ट्र गूँगा है।

प्रश्न ३ निम्नाकिंत में से किन्हीं तीन की संसन्दर्मे व्याख्या कीजिए। (१५)

(१) "जब आधी रात हो जाती है, तो उस गंभीर रात्रि के सन्नाटें में एक मर्म भेदिनी गीत ध्वनि उढ खडी होती है। बादशाह साफ – साफ सुनते है। कोई करूण कोमल सूर में गा रहा है।"
(२) "मानो दुनियाकी बेहयाई ठलने के लिए प्रवृतिने शव के लिए सफेद और ठंडे कफन का प्रबंध कर दिया था।"
(३) "डयोठी से पर्दा हटने के साथ ही जैसे चोधरी के जीवन की डोर टूट गयी।"
(४) "काम करते समय उसकी तन्मयतामें जरा भी बाधा पड़ी कि गेधुंअन सांप की तरह कुकुलार उढता – फिर – किसी दूसरे से करवा लीजिए काम! सिरपन मुंहजोर है, कामचोर नहीं।"
(५) "दुखी की लारा जो खेत में गीधड, कौएँ, कुत्ते नांच रहे थे, यही थी उसकी जीवन्त पर्यन्त की सेवा भक्ति और निष्ठा का पुरस्कार!"

प्रश्न ४ सलीमा का चरित्र – चित्रण कीजिए। (१५)

अथवा

प्रश्न ४ 'सदगति' कहानी का कथानक लिखकर उनके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ५ अपना अपना भाग्य कहानी का कथानिक अपने शब्दो में लिखिए। (१०)

अथवा

'परदा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

****